तर्ज : आपकी नजरों ने समझा .....

जिन्दगी मे आप आये, शुक्रिया है शुक्रिया

जिन्दगी जीना सिखाये, शुक्रिया है शुक्रिया..... ॥धृ॥

जी रहे थे पहले भी, पर दिवारो मे घिरे

भीड मे तन्हा सभी, एक दुजे से डरे

दिलों को दिल से मिलाये, शुक्रिया है शुक्रिया .....॥१॥

चल रहे थे हम मगर , रास्ते वीरान थे

बेखबर मंजिल से यूँ, हम सभी परेशान थे

बन के मंजिल मुस्कुराये शुक्रिया है शुक्रिया .....॥२॥

आपका परिवार सत्गुरू, सारा ही संसार है

सारे प्यारे लग रहे, आप से जो प्यार है

प्यार की गंगा बहाये, शुक्रिया है शुक्रिया ..... ॥३॥

आपके ही दम से 'दिलवर' हम सभी मुस्का रहे

जिन्दगी का हर लम्हा, खुशियों मे है बिता रहे

रोम रोम थे गुन गुनाये, शुक्रिया है शुक्रिया.....॥४॥